Lecture
(01)

Name of the College - APSM College, Barauni, Begusarai
(LNMU, Darbhanga)

Name - Dr. Bharti Kumari, AIH&C

Lession / plan of the Class - BA(H). AIH&C, Part 1, Paper-1

Name of the Topic - Gupt Kal mein Striyon Ki Dasha.

Date - 26-4-2021

TOPIC गुप्तकाल में स्त्रियों की दशा → गुप्तकाल में स्त्रियों की दशा में निरन्तर गिरावट आ गई थी, बाल-विवाह का प्रचलन होने के परिणामस्वरूप स्त्रियों की शिक्षा में अवरोध उत्पन्न होने लगे थे। स्त्रियों को सम्पत्ति का अधिकार प्राप्त न था। कुलीन एवं राजवंशीय परिवारों में बहुविवाह के कारण तथा सती प्रथा के प्रारम्भ होने के कारण स्त्रियों की दशा हीन हो गई। सुखी और समृद्धशाली परिवारों की कन्याओं की शिक्षा का उचित प्रबंध था। भट्टारिका शीला आदि इस काल की प्रमुख कवयित्री एवं लेखिका थी। पर्दे की प्रथा एवं [illegible] की प्रथा का प्रचलन न था स्त्रियों की दशा के सम्बन्ध में लिखा है — "उच्च वर्ग की स्त्रियाँ प्रशासनिक कार्यों में सक्रिय भाग लेती थी। गुप्तकाल में प्रमुख रानी का विशेष महत्व था दक्षिण में विशेष रूप से स्त्रियाँ गाँव प्रधान तथा गवर्नर के रूप में कार्य करती थी। इन क्षेत्रों में प्रायः स्त्रियों और पर्दे की प्रथा का प्रचलन न था।"

P.T.O.

Scanned with CamScanner

अतः कहा जा सकता है कि यद्यपि गुप्तकाल में नारी का सम्मान था, किन्तु पहले की अपेक्षा स्त्रियों की दशा हेय हो रही थी।

हर्षकाल में स्त्रियों की दशा :- हर्षकाल में समाज में बहु-विवाह, बाल-विवाह तथा सती प्रथा का प्रचलन हो चुका था, उच्च वर्ण में विधवा विवाह को बुरा समझा जाने लगा था, माता का स्थान सम्मानजनक था उच्च परिवारों में पर्दाप्रथा का प्रचलन नहीं था, उच्च परिवार की स्त्रियों की शिक्षा की उचित व्यवस्था थी, शिक्षा के अंतर्गत वे नृत्य, संगीत तथा धार्मिक शिक्षा भी ग्रहण किया करती थी।

राजपूतकाल में स्त्रियों की दशा :- राजपूत काल में कुलीन वर्ग की स्त्रियों को समाज में सम्मानीय स्थान प्राप्त था स्त्रियों को समाज में ... की प्रथा एवं स्वतंत्रता को वर चुनने की प्रथा स्वयं ... सभी वर्गों में प्राप्त थी (स्वयंवर) का उल्लेख ... होने के बाद ही स्त्रियों का विवाह मिलता है, व्यापक ... पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था किया जाता था, पर्दा प्रथा ... आदि कि शिक्षा ग्रहण स्त्रियाँ संस्कृत, संगीत, नृत्य ... शास्त्र विद्या भी ग्रहण करती थी। कुछ स्त्रियाँ शास्त्र विद्या भी ग्रहण करती थी। साधारण एवं निम्न वर्ग की स्त्रियों पर अनेक प्रतिबंध लगे हुए थे, सती प्रथा का प्रभाव जोरों पर था उस स्त्रियों का नैतिक पतन आरंभ हो चुका था। इन्दुलेखा, मेखला, शीला, सुभद्रा, लक्ष्मी, वजिका, मोरिका, पद्मश्री तथा मदालसा इस काल की प्रसिद्ध कवयित्रियाँ थीं।

आरतीकुमारी
A.P.I.S.
26-04-2021